

हिंदी विश्वविद्यालय में गांधी जयंती सप्ताह के अंतर्गत घोष वाक्य प्रतियोगिता

वर्धा, 29 सितंबर 2023: राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 154वीं जयंती के अवसर पर 'महात्मा गांधी जयंती सप्ताह' के अन्तर्गत 29 सितंबर को 'घोष वाक्य प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वर्धा समाज कार्य संस्थान के निदेशक प्रो. बंशीधर पाण्डे ने कहा कि किसी व्यक्ति



का व्यक्तित्व उसके मात्र एक वाक्य से प्रतिबिंबित हो सकता है। कई बार यही वाक्य इतिहास की रचना करता है और सामाजिक गतिकी की दिशा भी तय करता है। उन्होंने कहा कि इसे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के 'करो या मरो', लाल बहादुर शास्त्री के 'जय जवान जय किसान', सुभाष चंद्र बोस के 'तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा' हम जैसे ही कहते हैं 'आराम हराम है' तो हमारे स्मरण में पं. जवाहर लाल नेहरू आते हैं, के जीवंत उदाहरण हमारे समक्ष है। इसी तरह से हो सकता है कि आप में से किसी एक का घोष वाक्य इतिहास की रचना कर दें। इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न विद्यापीठ एवं संस्थान के प्रतिभागियों ने सहभागिता की। इस अवसर पर विधि विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. जनार्दन तिवारी, वर्धा समाज कार्य संस्थान के शिक्षक डॉ. गजानन सूर्यकांत निलामे डॉ. ज्योति कुमारी, डॉ. शिवाजी जोगदंड, समस्त कर्मचारीगण और विभिन्न विभागों के शिक्षक डॉ. विजय सिंह, डॉ. देवेश त्रिपाठी, डॉ. मनोज तिवारी की उपस्थित रही।